मेट्रो पत्रिका

पत्रिका

सूरत, बुधवार, 13 अप्रेल 20

'तकनीक पर ध्यान जरूरी'

आईडीआई के सिटी सेन्टर का उद्घाटन

शुरू होंगे कई आधुनिक कोर्स

कार्यालय संवाददाता @ सूरत

सूरत में इंडियन डायमण्ड इन्स्टीट्यूट के वेसू स्थित सिटी सेन्टर का उद्घाटन डीटीसी की सीईओ वरदा शाइन ने किया। इस अवसर पर हीरा व्यापार से जुड़ी कई जानी-मानी हस्तियां उपस्थित रहीं।

सेन्टर में हीरे के ग्रेडिंग, जिमोलॉजी और ज्वेलरी डिजाइन समेत आधुनिक कोर्स शुरू होंगे। उद्घाटन समारोह में वरदा शाइन ने हीरे के अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भारत के दखल की सराहना की। उन्होंने कहा कि जेम्स और ज्वेलरी उद्योग में गुणवत्ता और वैल्यू एडीशन के लिए आधुनिक तकनीक के साथ ही मेधावी लोगों की जरूरत है। तभी इस उद्योग में नई-नई चीजें सामने आएंगी। इस अवसर पर जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट एंड प्रमोशन कॉरपोरेशन के चेयरमैन राजीव जैन ने कहा कि भारत जेम्स और ज्वेलरी के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसी तकनीकी संस्थाएं उद्योग के विकास में उत्प्रेरक का काम करती है। समारोह में सांसद दर्शना जरदोश, विधायक नानु वाणानी, भारत सरकार के अधिकारी अनुराग सक्सेना, आईडीआई के चेयरमैन के के शर्मा, रोहित मेहता समेत बड़ी संख्या में हीरा उद्योगपति उपस्थित रहे।

वेसू गांव स्थित नव निर्मित आईडीआई भवन के उद्घाटन अवसर पर मौजूद डीटीसी की सीईओ वरदा शाइन और अन्य। पत्रिका

खान श्रमिकों के साथ सहानुभूति –वरदा शाइन

जिम्बाब्वे के मेरांज हीरा खानों में काम करने वाले श्रमिकों के प्रति सहानुभूति जताते हुए डीटीसी की सीईओ वरदा साइन ने कहा के इस मामले में वैधानिक तरीकों से काम होगा। शाइन आईडीआई के सिटी सेन्टर के उद्घाटन के अवसर पर सूरत आई थी। लंदन की कंपनी डयमंड ट्रेडिंग कंपनी की भारत में सीईओ शाइन ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि पिछले महीने यहां की खानों के लिए केपीएस प्रमाणपत्र जारी होने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। लेकिन श्रमिकों के साथ अमानवीय नहीं हुआ जा सकता है। कंपनी का मानना है कि दुनिया में एक भी हीरा केपीसी प्रमाणपत्र के बिना नहीं बिकना चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन और भारत में पॉलिश्ड हीरे की मांग बढ़ी है, वहीं दूसरी और विश्व में हीरे की नई खान नहीं मिलने से रफ डायमंड की फिलहाल कमी रहने वाली है।